Skill Development Programme

For Answer Writing

Env. & Eco. (Model Answer)

DATE : 21-June-2018 **TIME : 03:15 PM**

मुख्य परीक्षा

प्र. हाल के कुछ दिनों में देखा गया है कि भारत में वायु प्रदूषण का स्तर विगत वर्षों से ज्यादा खराब रहा है तथा भारत में वायु प्रदूषण से निपटने के लिए प्रचलित सभी तरीके निष्प्रभावी हो चुके हैं। इस संबंध में क्या कुछ और नवाचारी कदम उठाए जाने की आवश्यकता है? विश्लेषण कीजिए। (शब्द 250, अंक 15)

It is being witnessed now a days that the level of air pollution in India has been poor as compared to last years and does all prevalent way to deal with it have become ineffective. In this context, there is need to take some more innovative steps. Analyze. (250 Words, 15 Marks)

MODEL ANSWER

मुख्य बिन्दु

- भूमिका में वायु प्रदूषण की समस्या को बताइए।
- अगले पैरा में वायु प्रदूषण से निपटने के लिए प्रचलित सभी तरीकों एवं उनके निष्प्रभावी कारकों को बताइए।
- फिर अगले पैरा में नवाचारी कदमों को स्पष्ट कीजिए।
- अंत में संतुलित निष्कर्ष दीजिए।

उत्तर- वायु प्रदूषण की समस्या भारत में गंभीरता के उच्चतम स्तर को प्राप्त कर रही है। राजधानी दिल्ली समेत दिल्ली के कई शहरों की हवा में निलंबित कणों की अत्यधिक मात्रा स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरे की घंटी बजा चुकी है। विश्व के 20 सर्वाधिक प्रदूषित शहरों में 14 भारतीय शहरों का होना भारत में प्रदूषण की एक गंभीर स्थिति को बताता है।

वायु प्रदूषण के मुख्य तत्वों में कार्बन-मोनो-ऑक्साइड, कार्बन-डाई-ऑक्साइड, क्लोरो-फ्लोरो-कार्बन, सीसा, ओजोन, निलंबित अभिकणीय पदार्थ तथा सल्फर-डाई-ऑक्साइड आदि हैं, जो कि औद्योगिक इकाईयों, घरेलू उपयोग के उपकरणों तथा वाहनों से उत्सर्जित होकर वायु में मिल जाते हैं।

प्रमुख नवाचारी कदम-

इस समस्या से निपटने के लिए भारत सरकार द्वारा वर्ष 1981 में वायु प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण अधिनियम लाया गया, जिसके तहत् केन्द्र एवं राज्य सरकारों को वायु प्रदूषण को रोकने के लिए निम्नलिखित कदम उठाए गए हैं-

- राज्य के किसी क्षेत्र को वायु प्रदूषित क्षेत्र घोषित करना और प्रदूषण नियंत्रण क्षेत्रों में औद्योगिक क्रियाओं को रोकना। वायु प्रदूषण के सैंपल इकट्ठा करना।
- औद्योगिक इकाईयों को स्थापना से पहले अनापत्ति प्रमाण-पत्र देना।
- अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन करने वाले के विरूद्ध मुकद्मा चलाने का अधिकार।
- प्रदूषण इकाईयों को बंद करने का अधिकार।
- इसके साथ ही वाहनों से उत्सर्जित वायु प्रदूषण को रोकने के लिए भारत सरकार द्वारा वाहनों में प्रयुक्त इंजन की गुणवत्ता के स्तर को बढ़ाकर BS-3 से BS-4 कर दिया गया है तथा राजधानी समेत एनसीआर में फसलों के अवशेषों (पराली) को जलाने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है।

प्रमुख उपाय-

- राजमार्गों एवं सड़कों के किनारे तथा विभाजकों के सहारे छोटे पौधों एवं लताओं को उगाया जा सकता है।
- सड़कों पर फ्लाई ओवरों को सहारा देने वाले स्तंभों के सहारे पौधों एवं लताओं का विकास किया जा सकता है।

निष्कर्ष-

उपरोक्त तथ्यों से स्पष्ट है कि वर्तमान प्रदूषण को परम्परागत विधियों के द्वारा नियंत्रित नहीं किया जा सकता। इसके लिए कुछ नवीन तकनीकों के प्रयोग तथा इस दिशा में व्यापक शोध व अनुसंधान की आवश्यकता है।

* * *